मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKAE–181

स्नातक उपाधि (संस्कृत) (बी. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.ए.ई.-181 : भारतीय ज्ञान परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। अन्यथा आवश्यक न होने पर सभी प्रश्नों के उत्तर किसी एक भाषा हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *संस्कृत में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही भाषा होना चाहिए।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 5 = 50$

   (i) 'ब्राह्मण' शब्द के अर्थ को बताते हुए सामवेदीय ब्राह्मणों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालिए।

   (ii) उपनिषद् शब्दार्थ का विचार करते हुए उनका रचनाकाल एवं प्रतिपाद्य विषयों को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

   (iii) सप्तांग सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए उसके प्रत्येक अवयव की कार्यपद्धति को स्पष्ट कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(iv) प्राचीन न्याय व्यवस्था पर निबन्ध लिखिए।

(v) धर्मशास्त्र का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विषय–वस्तु पर प्रकाश डालिए।

(vi) भारतीय समाज में संस्कारों की आवश्यकता और उनके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

(vii) बौद्ध आयुर्विज्ञान के आधार पर प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति की विवेचना कीजिए।

(viii) बौद्धकालीन मनोविज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$8 \times 5 = 40$

(i) ब्राह्मण ग्रन्थों के महत्व पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ii) अथर्ववेद के उपनिषदों का उसकी विषय–वस्तु सहित वर्णन कीजिए।

(iii) वेदकालीन सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और धार्मिक संरचना में क्या–क्या परिवर्तन हुआ, उसकी विवेचना कीजिए।

(iv) शुक्रनीति के अनुसार सप्तांग सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(v) प्राचीन काल में न्याय व्यवस्था का संचालन कैसे होता था ? कौटिल्य ने प्राचीन न्याय व्यवस्था को कैसे व्यवस्थित किया ? स्पष्ट कीजिए।

(vi) भारतीय सामाजिक संस्थाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(vii) बौद्ध साहित्य में वर्णित विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(viii) बौद्धकालीन मूर्तिकला का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5+5

(क) वेदांग

(ख) राजकीय न्यायालय

(ग) संस्कारों का स्वरूप

(घ) शिल्पकला/मूर्तिकला

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com